Jai Jai Jai Narmada Bhawani Chalisa Lyrics with Meaning in English and Hindi

Narmada Bhawani Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
देवि पूजित, नर्मदा, महिमा बड़ी अपार ।
चालीसा वर्णन करत, कवि अरु भक्त उदार ॥
इनकी सेवा से सदा, मिटते पाप महान ।
तट पर कर जप दान नर, पाते हैं नित ज्ञान ॥

॥ चौपाई ॥
जय-जय-जय नर्मदा भवानी, तुम्हरी महिमा सब जग जानी ।

अमरकण्ठ से निकली माता, सर्व सिद्धि नव निधि की दाता ।

कन्या रूप सकल गुण खानी, जब प्रकटीं नर्मदा भवानी ।

सप्तमी सुर्य मकर रविवारा, अश्वनि माघ मास अवतारा ॥

वाहन मकर आपको साजैं, कमल पुष्प पर आप विराजैं ।

ब्रह्मा हरि हर तुमको ध्यावैं, तब ही मनवांछित फल पावैं ।

दर्शन करत पाप कटि जाते, कोटि भक्त गण नित्य नहाते ।

जो नर तुमको नित ही ध्यावै, वह नर रुद्र लोक को जावैं ॥

मगरमच्छा तुम में सुख पावैं, अंतिम समय परमपद पावैं ।

मस्तक मुकुट सदा ही साजैं, पांव पैंजनी नित ही राजैं ।

कल-कल ध्वनि करती हो माता, पाप ताप हरती हो माता ।

पूरब से पश्चिम की ओरा, बहतीं माता नाचत मोरा ॥

शौनक ऋषि तुम्हरौ गुण गावैं, सूत आदि तुम्हरौं यश गावैं ।

शिव गणेश भी तेरे गुण गवैं, सकल देव गण तुमको ध्यावैं ।

कोटि तीर्थ नर्मदा किनारे, ये सब कहलाते दु :ख हारे ।

मनोकमना पूरण करती, सर्व दु :ख माँ नित ही हरतीं ॥

कनखल में गंगा की महिमा, कुरुक्षेत्र में सरस्वती महिमा ।

पर नर्मदा ग्राम जंगल में, नित रहती माता मंगल में ।

एक बार कर के स्नाना, तरत पिढ़ी है नर नारा ।

मेकल कन्या तुम ही रेवा, तुम्हरी भजन करें नित देवा ॥

जटा शंकरी नाम तुम्हारा, तुमने कोटि जनों को है तारा ।

समोद्भवा नर्मदा तुम हो, पाप मोचनी रेवा तुम हो ।

तुम्हरी महिमा कहि नहीं जाई, करत न बनती मातु बड़ाई ।

जल प्रताप तुममें अति माता, जो रमणीय तथा सुख दाता ॥

चाल सर्पिणी सम है तुम्हारी, महिमा अति अपार है तुम्हारी ।

तुम में पड़ी अस्थि भी भारी, छुवत पाषाण होत वर वारि ।

यमुना मे जो मनुज नहाता, सात दिनों में वह फल पाता ।

सरस्वती तीन दीनों में देती, गंगा तुरत बाद हीं देती ॥

पर रेवा का दर्शन करके मानव फल पाता मन भर के ।

तुम्हरी महिमा है अति भारी, जिसको गाते हैं नर-नारी ।

जो नर तुम में नित्य नहाता, रुद्र लोक मे पूजा जाता ।

जड़ी बूटियां तट पर राजें, मोहक दृश्य सदा हीं साजें ॥

वायु सुगंधित चलती तीरा, जो हरती नर तन की पीरा ।

घाट-घाट की महिमा भारी, कवि भी गा नहिं सकते सारी ।

नहिं जानूँ मैं तुम्हरी पूजा, और सहारा नहीं मम दूजा ।

हो प्रसन्न ऊपर मम माता, तुम ही मातु मोक्ष की दाता ॥

जो मानव यह नित है पढ़ता, उसका मान सदा ही बढ़ता ।

जो शत बार इसे है गाता, वह विद्या धन दौलत पाता ।

अगणित बार पढ़ै जो कोई, पूरण मनोकामना होई ।

सबके उर में बसत नर्मदा, यहां वहां सर्वत्र नर्मदा ॥

॥ दोहा ॥
भक्ति भाव उर आनि के, जो करता है जाप ।
माता जी की कृपा से, दूर होत संताप ॥
॥ इति श्री नर्मदा चालीसा ॥

Narmada Bhawani Chalisa Meaning in Hindi

॥ दोहा ॥
देवि पूजित, नर्मदा, महिमा बड़ी अपार।

- हे पूजनीय देवी नर्मदा ! आपकी महिमा अपार है।

चालीसा वर्णन करत, कवि अरु भक्त उदार।

- इस चालीसा में आपकी महिमा का वर्णन उदार कवि और भक्त कर रहे हैं।

इनकी सेवा से सदा, मिटते पाप महान।

- आपकी सेवा करने से सभी बड़े-बड़े पाप हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं।

तट पर कर जप दान नर, पाते हैं नित ज्ञान।

- आपके तट पर जप और दान करने वाले मनुष्य नित्य ज्ञान प्राप्त करते हैं।

॥ चौपाई ॥
जय-जय-जय नर्मदा भवानी, तुम्हरी महिमा सब जग जानी।

- जय हो, जय हो, जय हो हे माता नर्मदा भवानी! आपकी महिमा संपूर्ण संसार में प्रसिद्ध है।

अमरकण्ठ से निकली माता, सर्व सिद्धि नव निधि की दाता।

- हे माता! आप अमरकंटक पर्वत से प्रकट हुईं और सभी सिद्धियों और नौ निधियों को प्रदान करने वाली हैं।

कन्या रूप सकल गुण खानी, जब प्रकटीं नर्मदा भवानी।

- जब आप कन्या रूप में प्रकट हुईं, तब आप समस्त गुणों की खान बन गईं।

सप्तमी सुर्य मकर रविवारा, अश्वनि माघ मास अवतारा।

- आप माघ मास में, सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने पर, सप्तमी तिथि को अवतरित हुईं।

वाहन मकर आपको साजैं, कमल पुष्प पर आप विराजैं।

- आपका वाहन मगरमच्छ है और आप कमल पुष्प पर विराजमान हैं।

ब्रह्मा हरि हर तुमको ध्यावैं, तब ही मनवांछित फल पावैं।

- ब्रह्मा, विष्णु और शिव आपकी आराधना करते हैं और तभी अपनी इच्छित फल की प्राप्ति करते हैं।

दर्शन करत पाप कटि जाते, कोटि भक्त गण नित्य नहाते।

- आपके दर्शन से पाप समाप्त हो जाते हैं। लाखों भक्त प्रतिदिन आपकी जलधारा में स्नान करते हैं।

जो नर तुमको नित ही ध्यावै, वह नर रुद्र लोक को जावैं।

- जो व्यक्ति प्रतिदिन आपका ध्यान करता है, वह रुद्र लोक (शिव लोक) में स्थान प्राप्त करता है।

मगरमच्छा तुम में सुख पावैं, अंतिम समय परमपद पावैं।

- आपकी गोद में रहने वाले मगरमच्छ भी सुख पाते हैं और मृत्यु के समय उच्च पद प्राप्त करते हैं।

मस्तक मुकुट सदा ही साजैं, पांव पैंजनी नित ही राजैं।

- आपके मस्तक पर मुकुट हमेशा शोभा देता है और आपके चरणों में पैंजनी हमेशा झनकारती है।

कल-कल ध्वनि करती हो माता, पाप ताप हरती हो माता।

- आपकी जलधारा की कल-कल ध्वनि निरंतर सुनाई देती है। आप पाप और कष्टों को हरने वाली माता हैं।

पूरब से पश्चिम की ओरा, बहतीं माता नाचत मोरा।

- हे माता! आप पूरब से पश्चिम की ओर बहती हैं और आपकी धारा में मोर जैसे नृत्य करते हैं।

शौनक ऋषि तुम्हरौ गुण गावैं, सूत आदि तुम्हरौं यश गावैं।

- शौनक ऋषि आपके गुणों का गान करते हैं, और सूत जैसे विद्वान भी आपका यश गाते हैं।

शिव गणेश भी तेरे गुण गवैं, सकल देव गण तुमको ध्यावैं।

- भगवान शिव और गणेश भी आपके गुणों का गान करते हैं। सभी देवता आपकी आराधना करते हैं।

कोटि तीर्थ नर्मदा किनारे, ये सब कहलाते दु :ख हारे।

- नर्मदा के किनारे स्थित करोड़ों तीर्थ दुखों को हरने वाले माने जाते हैं।

मनोकामना पूरण करती, सर्व दु :ख माँ नित ही हरतीं।

- हे माता ! आप भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करती हैं और उनके सभी दुख दूर करती हैं।

कनखल में गंगा की महिमा, कुरुक्षेत्र में सरस्वती महिमा।

- कनखल में गंगा की महिमा है और कुरुक्षेत्र में सरस्वती की महिमा प्रसिद्ध है।

पर नर्मदा ग्राम जंगल में, नित रहती माता मंगल में।

- परंतु हे नर्मदा ! आप गांवों और जंगलों में भी सदा मंगलकारी रूप में उपस्थित रहती हैं।

एक बार कर के स्नाना, तरत पिढ़ी है नर नारा।

- जो एक बार भी आपकी धारा में स्नान कर लेता है, वह और उसकी पीढ़ियां तर जाती हैं।

मेकल कन्या तुम ही रेवा, तुम्हरी भजन करें नित देवा।

- हे मेकल पर्वत की कन्या रेवा! देवता भी प्रतिदिन आपका भजन करते हैं।

जटा शंकरी नाम तुम्हारा, तुमने कोटि जनों को है तारा।

- आपका एक नाम जटा शंकरी भी है। आपने करोड़ों लोगों का उद्धार किया है।

समोद्भवा नर्मदा तुम हो, पाप मोचनी रेवा तुम हो।

- आप समोद्भवा (सृष्टि से प्रकट) नर्मदा हैं और पापों को हरने वाली रेवा हैं।

तुम्हरी महिमा कहि नहीं जाई, करत न बनती मातु बड़ाई।

- आपकी महिमा का पूर्ण वर्णन नहीं किया जा सकता। आपकी महिमा का बखान करना कठिन है।

जल प्रताप तुममें अति माता, जो रमणीय तथा सुख दाता।

- आपके जल में अत्यधिक प्रताप है। यह जल अत्यंत रमणीय और सुखदायी है।

चाल सर्पिणी सम है तुम्हारी, महिमा अति अपार है तुम्हारी।

- आपकी धारा सर्पिणी (सांप) के समान बलखाती हुई चलती है। आपकी महिमा अति अपार है।

तुम में पड़ी अस्थि भी भारी, छुवत पाषाण होत वर वारि।

- आपके पवित्र जल में यदि किसी की अस्थियां (हड्डियां) डाल दी जाएं, तो वे पत्थर को भी अमृत समान बना देती हैं।

यमुना मे जो मनुज नहाता, सात दिनों में वह फल पाता।

- यमुना नदी में स्नान करने वाला व्यक्ति सात दिनों के बाद अपने पुण्य का फल प्राप्त करता है।

सरस्वती तीन दीनों में देती, गंगा तुरत बाद हीं देती।

- सरस्वती नदी तीन दिनों में पुण्य फल देती है, जबकि गंगा नदी तुरंत ही पुण्य फल प्रदान करती है।

पर रेवा का दर्शन करके, मानव फल पाता मन भर के।

- लेकिन नर्मदा (रेवा) नदी के केवल दर्शन से ही मनुष्य को इच्छित फल प्राप्त हो जाता है।

तुम्हरी महिमा है अति भारी, जिसको गाते हैं नर-नारी।

- आपकी महिमा अत्यंत महान है, जिसे पुरुष और स्त्रियां दोनों गाते हैं।

जो नर तुम में नित्य नहाता, रुद्र लोक में पूजा जाता।

- जो व्यक्ति नर्मदा में प्रतिदिन स्नान करता है, वह रुद्र लोक में पूजनीय हो जाता है।

जड़ी बूटियां तट पर राजें, मोहक दृश्य सदा हीं साजें।

- आपके तटों पर कई औषधीय जड़ी-बूटियां पाई जाती हैं। आपके तटों का दृश्य हमेशा मनमोहक होता है।

वायु सुगंधित चलती तीरा, जो हरती नर तन की पीरा।

- आपके तटों पर सुगंधित वायु बहती है, जो मानव शरीर की पीड़ा को हर लेती है।

घाट-घाट की महिमा भारी, कवि भी गा नहिं सकते सारी।

- आपके प्रत्येक घाट की महिमा इतनी महान है कि कवि भी उसकी पूरी प्रशंसा नहीं कर सकते।

नहिं जानूँ मैं तुम्हरी पूजा, और सहारा नहीं मम दूजा।

- हे माता! मैं आपकी पूजा करना नहीं जानता, और मेरे पास आपके अलावा कोई दूसरा सहारा भी नहीं है।

हो प्रसन्न ऊपर मम माता, तुम ही मातु मोक्ष की दाता।

- हे माता! कृपा करके मुझ पर प्रसन्न हो जाइए। आप ही मोक्ष प्रदान करने वाली देवी हैं।

जो मानव यह नित है पढ़ता, उसका मान सदा ही बढ़ता।

- जो व्यक्ति इस चालीसा का प्रतिदिन पाठ करता है, उसका मान-सम्मान हमेशा बढ़ता है।

जो शत बार इसे है गाता, वह विद्या धन दौलत पाता।

- जो सौ बार इसका पाठ करता है, वह विद्या, धन और दौलत प्राप्त करता है।

अगणित बार पढ़ै जो कोई, पूरण मनोकामना होई।

- जो व्यक्ति इस चालीसा को अनगिनत बार पढ़ता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

सबके उर में बसत नर्मदा, यहां वहां सर्वत्र नर्मदा।

- नर्मदा माता सबके हृदय में विराजमान हैं और हर स्थान पर व्यापक हैं।

॥ दोहा ॥
भक्ति भाव उर आनि के, जो करता है जाप।

- जो व्यक्ति भक्ति भाव से आपका जाप करता है,

माता जी की कृपा से, दूर होत संताप।

- माता जी की कृपा से उसके सभी दुख और कष्ट दूर हो जाते हैं।

॥ इति श्री नर्मदा चालीसा ॥

- इस प्रकार श्री नर्मदा चालीसा समाप्त होती है।

Narmada Bhawani Chalisa Lyrics in English

** Doha **
Devi poojit, Narmada, mahima badi apaar
Chalisa varnan kart, kavi aru bhakt udaar
Inki seva se sada, mitate paap mahaan
Tat par kar jap daan nar, paate hain nit gyaan

** Chaupai **
Jay-Jay-Jay Narmada Bhavani, tumhari mahima sab jag jaani
Amarkanth se nikli maata, sarv siddhi nav nidhi ki daata
Kanya roop sakal gun khaani, jab prakateen Narmada Bhavani
Saptami surya makar ravivara, ashvini maagh maas avataara

Vaahan makar aapko saajai, kamal pushp par aap viraajai
Brahma Hari Har tumko dhyaavai, tab hi manvaanchhit phal paavai
Darshan karat paap kati jaate, koti bhakt gan nitya nahaate
Jo nar tumko nit hi dhyaavai, vah nar Rudra lok ko jaavai

Magarmachha tum mein sukh paavai, antim samay param pad paavai
Mastak mukut sada hi saajai, paav painjani nit hi raajai
Kal-kal dhwani karti ho maata, paap-taap harti ho maata
Poorab se pashchim ki ora, bahti maata naachat mora

Shaunak rishi tumharau gun gaavai, Soot aadik tumharau yash gaavai
Shiv Ganesh bhi tere gun gaavai, sakal dev gan tumko dhyaavai
Koti teerth Narmada kinaare, ye sab kehlaate dukh haare
Manokamna pooran karti, sarv dukh maan nit hi harti

Kankhal mein Ganga ki mahima, Kurukshetra mein Saraswati mahima॥
Par Narmada gram jangalon mein, nit rahti maata mangal mein॥
Ek baar kar ke snaana, tarat pidi hai nar naara॥
Mekal kanya tum hi Reva, tumhari bhajan karein nit deva॥

Jata Shankari naam tumhara, tumne koti janon ko hai taara॥
Samodbhava Narmada tum ho, paap mochani Reva tum ho॥
Tumhari mahima kahi nahi jaai, karat na banti maatu badaai॥
Jal pratap tum mein ati maata, jo ramaniya tatha sukh daata॥

Chaal sarpini sam hai tumhari, mahima ati apaar hai tumhari॥
Tum mein padi asthi bhi bhaari, chhuvat paashan hot var vaari॥
Yamuna mein jo manuj nahaata, saat dinon mein vah phal paata॥
Saraswati teen dinon mein deti, Ganga turat baad hi deti॥

Par Reva ka darshan karke, maanav phal paata man bhar ke॥
Tumhari mahima hai ati bhaari, jisko gaate hain nar-naari॥
Jo nar tum mein nitya nahaata, Rudra lok mein pooja jaata॥
Jadi bootiyan tat par raajein, mohak drishya sada hi saajein॥

Vaayu sugandhit chalti teera, jo harti nar tan ki peera॥
Ghaat-ghaat ki mahima bhaari, kavi bhi gaa nahi sakte saari॥
Nahi jaanoon main tumhari pooja, aur sahaara nahi mam dooja॥
Ho prasann upar mam maata, tum hi maatu moksh ki daata॥

Jo maanav yah nit hai padhta, uska maan sada hi badhta॥
Jo shat baar ise hai gaata, vah vidya dhan daulat paata॥
Aganit baar padha jo koi, pooran manokamna hoi॥
Sabke ur mein basat Narmada, yahaan vahaan sarvatra Narmada॥

॥ Doha ॥
Bhakti bhaav ur aani ke, jo karta hai jaap॥
Maata ji ki kripa se, door hot santaap॥

॥ Iti Shri Narmada Chalisa ॥

Narmada Bhawani Chalisa Meaning in English

□ Doha □
Devi poojit, Narmada, mahima badi apaar□

- O revered Goddess Narmada! Your greatness is infinite and immeasurable.

Chalisa varnan kart, kavi aru bhakt udaar□

- This Chalisa describes your glory, as narrated by generous poets and devoted worshipers.

Inki seva se sada, mitate paap mahaan□

- Serving you always destroys even the greatest of sins.

Tat par kar jap daan nar, paate hain nit gyaan□

- Those who perform penance and charity on your banks attain daily spiritual knowledge.

□ Chaupai □
Jay-Jay-Jay Narmada Bhavani, tumhari mahima sab jag jaani□

- Hail! Hail! Hail to you, O Mother Narmada Bhavani! Your glory is known throughout the entire world.

Amarkanth se nikli maata, sarv siddhi nav nidhi ki daata□

- You emerged from Mount Amarkantak and are the giver of all supernatural powers (siddhis) and treasures (nidhis).

Kanya roop sakal gun khaani, jab prakateen Narmada Bhavani□

- In your maiden form, you are the embodiment of all virtues. When you appeared, you were known as Narmada Bhavani.

Saptami surya makar ravivara, ashvini maagh maas avataara।

- You incarnated on a Sunday during the Ashwini nakshatra (lunar mansion) in the month of Magh (January-February), on the seventh day when the sun enters Capricorn (Makar).

Vaahan makar aapko saajai, kamal pushp par aap viraajai।

- Your vehicle is the crocodile, and you are seated gracefully on a lotus flower.

Brahma Hari Har tumko dhyaavai, tab hi manvaanchhit phal paavai।

- Brahma, Vishnu, and Shiva meditate upon you to attain their desired blessings.

Darshan karat paap kati jaate, koti bhakt gan nitya nahaate।

- The sight of you destroys all sins. Millions of devotees bathe in your waters daily.

Jo nar tumko nit hi dhyaavai, vah nar Rudra lok ko jaavai।

- Those who meditate on you daily achieve a place in Rudra’s (Shiva’s) heavenly abode.

Magarmachha tum mein sukh paavai, antim samay param pad paavai।

- Even crocodiles find peace in your waters and attain the highest state at the time of death.

Mastak mukut sada hi saajai, paav painjani nit hi raajai।

- A crown adorns your head, and anklets always jingle on your feet.

Kal-kal dhwani karti ho maata, paap-taap harti ho maata

- O Mother, your flowing waters create a melodious “kal-kal” sound, and you remove both sins and suffering.

Poorab se pashchim ki ora, bahti maata naachat mora

- You flow from the east to the west, and peacocks dance along your banks in joy.

Shaunak rishi tumharau gun gaavai, Soot aadik tumharau yash gaavai

- Sage Shaunak sings your praises, and Soot and other sages glorify your name.

Shiv Ganesh bhi tere gun gaavai, sakal dev gan tumko dhyaavai

- Lord Shiva, Ganesha, and all the other deities meditate on you and sing of your virtues.

Koti teerth Narmada kinaare, ye sab kehlaate dukh haare

- Millions of pilgrimage sites on the banks of the Narmada River are known to relieve all sorrows.

Manokamna pooran karti, sarv dukh maan nit hi harti

- You fulfill all desires and remove all sufferings of your devotees.

Kankhal mein Ganga ki mahima, Kurukshetra mein Saraswati mahima

- The Ganges is revered in Kankhal, and the Saraswati is praised in Kurukshetra.

Par Narmada gram jangalon mein, nit rahti maata mangal mein

- But you, O Narmada, reside perpetually in villages and forests, spreading auspiciousness everywhere.

Ek baar kar ke snaana, tarat pidi hai nar naara

- Just by taking a bath in your waters once, generations of a person’s family are liberated.

Mekal kanya tum hi Reva, tumhari bhajan karein nit deva

- O Reva, daughter of the Mekal mountains! Even the gods sing your praises daily.

Jata Shankari naam tumhara, tumne koti janon ko hai taara

- One of your names is Jata Shankari. You have saved millions of beings from suffering.

Samodbhava Narmada tum ho, paap mochani Reva tum ho

- You are the divine river Narmada, born of the earth, and the redeemer of sins, known as Reva.

Tumhari mahima kahi nahi jaai, karat na banti maatu badaai

- Your greatness cannot be fully described, and even attempts to praise you fall short.

Jal pratap tum mein ati maata, jo ramaniya tatha sukh daata

- Your waters have immense divine power, bringing beauty and happiness to all who come near.

Chaal sarpini sam hai tumhari, mahima ati apaar hai tumhari

- Your flow is like that of a serpent, and your glory is boundless.

Tum mein padi asthi bhi bhaari, chhuvat paashan hot var vaari

- Even bones immersed in your waters are blessed, and stones turn into divine relics upon touching your current.

Yamuna mein jo manuj nahaata, saat dinon mein vah phal paata

- A person who bathes in the Yamuna river gains the spiritual benefits within seven days.

Saraswati teen dinon mein deti, Ganga turat baad hi deti

- The Saraswati river bestows benefits in three days, while the Ganges grants them instantly.

Par Reva ka darshan karke, maanav phal paata man bhar ke

- But by merely seeing the Narmada (Reva) river, a person attains fulfillment of all desires.

Tumhari mahima hai ati bhaari, jisko gaate hain nar-naari

- Your glory is immense, and both men and women sing your praises.

Jo nar tum mein nitya nahaata, Rudra lok mein pooja jaata

- A person who bathes in your waters daily is worshiped in Rudra’s heavenly abode.

Jadi bootiyan tat par raajein, mohak drishya sada hi saajein

- Medicinal herbs thrive on your banks, and the scenery is always enchanting.

Vaayu sugandhit chalti teera, jo harti nar tan ki peera

- Fragrant breezes flow along your banks, relieving the pain and suffering of humans.

Ghaat-ghaat ki mahima bhaari, kavi bhi gaa nahi sakte saari

- The glory of each of your sacred ghats is so great that even poets cannot fully describe it.

Nahi jaanoon main tumhari pooja, aur sahaara nahi mam dooja

- I do not know the proper way to worship you, and I have no other support but you, O Mother.

Ho prasann upar mam maata, tum hi maatu moksh ki daata

- Please be pleased with me, O Mother. You are the giver of liberation (moksha).

Jo maanav yah nit hai padhta, uska maan sada hi badhta

- Those who read this Chalisa regularly gain honor and respect in life.

Jo shat baar ise hai gaata, vah vidya dhan daulat paata

- One who recites it a hundred times attains knowledge, wealth, and prosperity.

Aganit baar padha jo koi, pooran manokamna hoi

- Whoever recites it countless times will have all their desires fulfilled.

Sabke ur mein basat Narmada, yahaan vahaan sarvatra Narmada

- Narmada resides in everyone’s heart and is present everywhere.

□ Doha □
Bhakti bhaav ur aani ke, jo karta hai jaap□

- Those who chant with devotion in their hearts

Maata ji ki kripa se, door hot santaap□

- Will have all their sufferings removed by the grace of the Mother.